दावणगेरे: प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, दावणगेरे और मीडिया प्रभाग, आर.ई.आर.एफ के संयुक्ताश्रय में मिडिया सेमिनार का आयोजन ब्रह्माकुमारीज के शिव ध्यान मंदिर में सोमवार दि: ०६-०८-२०१८ को संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में मंच पर १. डॉ. शरणप्पा वी. हलसे, उपकुलपति, दावणगेरे विश्व विद्यालय, दावणगेरे २. प्रो. कमल दीक्षित, मूल्यनिष्ठ मीडिया के राष्ट्रीय संयोजक, भूपाल ३. श्रीमती प्रीति नागराज, पत्रकार एवं राजनीति के विशेषज्ञ, मैसूर ४. राजयोगी बी.के शांतनु, मुख्यालय संयोजक, मीडिया विभाग, शांतिवन ५. राजयोगी बी.के शुशांत, राष्ट्रीय संयोजक, मीडिया विभाग, ब्रह्माकुमारीज, दिल्ली ६. बी.के सुनीता, मीडिया सदस्य एवं वरिष्ठ राजयोगा शिक्षिका, दिल्ली ७. डॉ. बसवराज राजऋषि, निर्देशक, ब्रह्माकुमारीज, हुबली-सबजोन तथा कर्नाटक मीडिया अकादमी पुरस्कार से पुरस्कृत अनेकों मीडियाकर्मी उपस्थित थे।

कार्यक्रम प्रारंभ शिव-स्मृति से हुआ। बाद में ब्रह्माकुमारी बहनों ने पुष्प एवं तिलक से सबका स्वागत किया। बी.के मंजुनाथ, उप-संपादक, जनतावाणी पत्रिका, ने सब अतिथियों का स्वागत किया। कुमारी अद्वै ने स्वागत नृत्य के द्वारा सबका मन मोह लिया। बी.के सुनीता ने ब्रह्माकुमारी संस्था का परिचय देते हुए मीडिया विभाग की विभिन्न सेवाओं का परिचय भी कराया।

अपने प्रास्ताविक भाषण में प्रो. कमल दीक्षित ने कहा मीडिया का मुख्य उद्देश्य था सेवा का। यह १९५० से पहले की बात है। १९६० से इसका उद्देश्य बदल गया। सेवा के स्थान पर व्यापार आ गया। आजकल मीडिया माना एक बहुत बड़ा व्यापार केन्द्र बन गया है। पैसे के पीछे भागते-भागते मीडिया ने मूल्यों को भूल दिया है। समाज को सुधारना भी मीडिया की एक जिम्मेवारी है। जब मीडिया ने अपनी जिम्मेवारी को भूल पैसे कमाना ही अपना ध्येय समझ लिया तब से समाज में बहुत ज्यादा ही समस्याएँ पैदा होने लगी। अब मीडिया को अपनी जिम्मेवारी अच्छी तरह निभानी पड़ेगी। पहले खुद को आध्यात्मिक ज्ञान से परिवर्तन कर राजयोग का अभ्यास करके अपने में शक्ति एवं गुण भरकर समाज में उन्हें भरने की कोशिश करनी चाहिए।

डॉ. शरणप्पा वी. हलसे, उपकुलपति, दावणगेरे विश्व विद्यालय, दावणगेरे, ने कहा की समाज को बदलने में मीडिया का बहुत बड़ा हाथ है। सकारात्मक रूप से समाज में परिवर्तन लाना मीडिया का ही काम है। इस जिम्मेवारी को निभाने के लिए मीडिया कर्मी क अपने में परिवर्तन लाने पड़ेंगे। मानवीय मूल्य एवं आध्यात्मिक मूल्यों को अपने जीवन में अपनाने पड़ेंगे। तभी समाज सुधार संभर है। समाज को परिवर्तन करने की निष्ठा मीडिया में है। पैसे की लालच में आकर झूठे खबर नहीं छपाने चाहिए।

ब्रह्माकुमारीज के मुख्यालय के मीडिया विभाग के संयोजक बी.के शांतनु ने कहा मीडिया का उद्देश्य सिर्फ कमर्शियल नहीं होना चाहिए बल्कि समाज सेवा भी हो। अपने में सभी मिडियाकर्मी भौतिक मूल्यों के साथ-साथ आध्यात्मिक एवं नैतिक मूल्य भी अपनाये। मीडिया अगर आध्यात्मिकता को साथ लेकर चलता है तो समाज में सकारात्मक परिवर्तन होंगे। सारे विश्व को एक करना हमारा उद्देश्य हो। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता में समाज एवं देश का हित भी हो, सामाजिक एवं नैतिक जिम्मेवारी भी हो। इनके बिना उस अभिव्यक्ति का कोई मूल्य नहीं होगा। आप सभी मीडियाकर्मियों को मैं सितंबर में होने वाले मिडिया सम्मेलन के लिए आने का निमंत्रण देता हूँ।

वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीति विशेषज्ञ श्रीमती प्रीति नागराज ने कहा आजकल मीडिया में काम करने वाले लोगों में सिर्फ धन कमाना ही उद्देश्य न हो। सभी अपजी सामाजिक जिम्मेवारियों को जानें और समाज में मूल्यों को प्रतिष्ठित करने का कार्य भी करें। सकारात्मक बातों को ज्यादा प्रचार एवं प्रसार करें। तभी सबमें मूल्यों को अपने जीवन में उतारने की बातें याद आयेंगी।

ब्रह्माकुमारी मीडिया विभाग राष्ट्रीय संयोज बी.के सुशांत भाई ने कहा मूल्य निष्ठ समाज के निर्माण की जिम्मेवारी पूरी करने के लिए हर एक मिडियाकर्मी को राजयोग का अभ्यास करना चाहिए। स्वयं में परमात्मा से गुण एवं शक्तियाँ भर कर ही समाज में उन्हें फैलाये जा सकते हैं। समाज को केवल जानकारी देना मीडिया का काम नहीं है, बल्कि समाज में सुधार लाना भी उसकी जिम्मेवारी है। समाज में मीडिया का बहुत ही शक्तिशाली पात्र है। पत्रकारिता को आध्यात्मिकता से जब जोड़ा जायेगा तभी मूल्य निष्ठ समाज की स्थापना होगी। आंतरिक शक्तयों को राजयोग के अभ्यास से ही प्राप्त कर सकेंगे।

डॉ. बसवराज राजऋषि, निर्देशक, ब्रह्माकुमारीज, हुबली जोन, ने कहा मीडिया का प्रभाव समाज में बहुत जल्दी ही फैलेगा। मीडिया मनुष्यों को देव भी बना सकती है या असुर भी। मूल्यनिष्ठ समाचार या जानकारी समाज में मूल्य स्थापित कर सकेंगे। नकारात्मक विचार या जानकारी समाज में अवगुण स्थापित कर सकेंगे। अत: मीडियावालों को अपनी जिम्मेवारी पूरी निभानी पड़ेगी.

वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बी.के सुनीता जी ने सभा में उपस्थित सब मीडियावालों को राजयोग का अभ्यास कराया।

इसी सेमिनार में कर्नाटक माध्यम अकादमी पुरस्कार से पुरस्कृत पत्रकारों का सम्मान भी किया गया और उन्हें माध्यम सिरि उपाधि भी दी गई। पत्रकारिता पढ़ने वाले विद्यार्थियों को इस समय प्रमाणपत्र दिये गये। अंत में बी.के. विश्वास, मीडिया सदस्य, ने सबको धन्यवाद अर्पण किया। सभी मिडियाकर्मियों को ईश्वरीय सौगात दी गई। ब्रह्मभोजन भी खिलाया गया।

कार्यक्रम का सफल संचालन स्थानीय ब्रह्माकुमारीज की संचालिका राजयोगिनी लीला बहन जी ने किया।